याचक बनके मैं खड़ा

अति अपनापन हो जहाँ,रहिए वहाँ सचेत।
घातक होते है वही,.....ठगते सूद समेत।।-1

सत्य बोलना है कठिन,...मांगे लोग सबूत।
झूठ खड़ा है साधु बन,तन पर लगा भभूत।।-2

रक्खे सभी सँभाल कर,मिले प्रेम के पत्र।
सूखे फूल गुलाब के,.....महक रहे है यत्र।।-3

उर कहता सुन उर्वशी,.....तू है मेरा प्यार।
याचक बनके मैं खड़ा, खोलो मन का द्वार।।-4

प्रेम साधना योग है,.....प्रेम सृष्टि आधार।
दीप जलायें नेह का,...अपने मन के द्वार।।-5

अल्हड़ होती उम्र जब, धरती पड़ें न पैर।
मन चंचल करता फिरे,आसमान की सैर।।-6

जीवन भर मन में रहा,.....मेरे यह संत्रास ।
धोखा उनसे ही मिला, जो थे दिल के पास।।-7

जीवन में अनुभव मिले,मिले घात प्रति घात।
अंतर मन घायल हुआ,..... पा ऐसी सौगात ।।-8

दर्पण से छुपता नहीं,...दाग न कोई मित्र।
जैसा जिसका रूप है, बिम्बित वैसा चित्र।।-9

बँटवारे में खिच गयी,आँगन बीच लकीर।
बंधु पड़ोसी हो गया, किसे सुनाएं पीर।।-10

जैसे ही मुझको हुआ,....ढाई आखर ज्ञान।
भाप सरीखा उड़ गया,अंतस का अभिमान।।-11

रिश्ते होते काँच से, रखिए उन्हें सम्भाल।
टूट गये तो हृदय में,...चुभते है तत्काल।।-12

ISSN: 2583-8849
साहित्य रत्न ई-पत्रिका अगस्त2023 वर्ष1 अंक4

डॉ. *सुमन मिश्रा*
शिक्षा-एम ए हिन्दी, विद्या वाचस्पति
जन्म तिथि-31-12-58
जन्म स्थान-जमरेही प्रथम जिला जालौन(उ प्र)
विधाएं-
गीत, गजल, छंद, मुक्तक, घनाक्षरी, सवैया, दोहा, चौपाई, मत्तगयंग छंद, अतुकान्त व लेख
प्रकाशित कृति- सुमन सहस्रावली(दोहा-संग्रह), उतरता चाँद धरती पर (गीत-संग्रह),काव्यांजलि(गीत-संग्रह), रेत के घरौंदे (मुक्तक-संग्रह)
अप्रकाशित कृति-शब्द डरते नही (अतुकांत), उपवन की खुशबू (काव्य संग्रह), बुंदेलखंड का शौर्य (पद्य)
पुरस्कार-
दिसम्बर 1980**में नंदन शीर्षक प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार**
सम्मान- देश की ख्याति लब्ध अनेक साहित्यिक संस्थाओं द्वारा मानद उपाधि एवं प्रशस्ति पत्रों से सम्मानित ।
1-**आकाशवाणी छतरपुर (म प्र) से साक्षात्कार व गीतों का अनेक बार प्रसारण**
2-**आकाशवाणी झांसी (उ प्र)से गीतों का प्रसारण**
गीत व लेख अनेक पत्रिकाओं में प्रकाशित
निवास-
"**पंचवटी**"1274**टयूब वैल रोड,खाती बाबा झाँसी (उ प्र)**
पिन 284003
मोबाइल नम्बर-9935351220
email id-suman021982@gmail.com